

अ**साधार**सा EXTRAORDINARY

माग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (

PART II—Section 3—Sub-section

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 156] नई विल्ली, गुक्रवार, मई 25, 1979/क्येष्ठ 4, 1901 No. 156] NEW DELHI, FRIDAY, MAY 25, 1979/JYAISTHA 4, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सर्वे ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

नांवहन और परिवहन संपालक

(परिषद्धन पक्ष)

अधिस्चमा

नई फ़िल्ली, 25 मई, 1979

सा. का. नि. 321 (अ). महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 को 38) की धारा 3 की उपधारा (1) के खंड (ग) के उपखंड (2) व्वारा प्रकृत शक्तियाँ का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एत्ट्रहारा भारत सरकार के नाँवहन और परिवहन मंत्रालय, (परिवहन पक्ष) की अधिसूचना सं. सा. का. नि. 298 (ई) क्यांक 30-3-79 में निम्नितिश्वत संशोधन करती है, अर्थात

उत्रस अधिसूचना में, प्रारम्भिक पेरा के परन्तुक में, अंक "6" के स्थान पर अंक "4, 6" रखें जाएं।

[फाइल सं. पी.टी.बी.-43/78] विनेश कुमार जॅन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Transport Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 25th May, 1979

G.S.R. 321 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-clause (ii) of clause (c) of sub-section (1) of section 3 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Transport Wing) No. G.S.R. 298 (E), dated the 30th March, 1979, namely:—

In the said notification, in the proviso to the opening paragraph, for figure "6", the figures "4, 6" shall be substituted.

[F. No. PTB-43/78] D. K. JAIN, Jt. Socy.